R.N.I. No. UPHIN/2023/86842 वर्ष : 02 अंक : 149 | लखीमपुर–खीरी, गुरूवार 17 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ – 04 मूल्य – 01

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संज्ञान दृष्टि

एक सम्पूर्ण अखबार

मोबाइल नं0–7080049049 sangyandristinewspaper@gmail.com website-Sangyannews.com twitter-Sangyannews

लखीमपुर–खीरी, दिल्ली एनसीआर के साथ–साथ इंदौर, गौरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, लखनऊ, अयोध्या, गया (बिहार)

एक नज़र

लखनऊ– मुख्य निर्वाचन अधिकारी यूपी को सपा ने लिखा पत्र, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पत्र लिख की शिकायत, मझवां सीट पर भी उपचुनाव की घोषणा हुई है–श्यामलाल, उपचुनाव के एलान के बाद 35 पुलिस कर्मियों का तबादला हुआ, मझवां क्षेत्र के कई थानों के पुलिस कर्मी बदले गए–श्यामलाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी बीजेपी का सम्मेलन कर रही हैं–श्यामलाल, वो भाजपा कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रही हैं–श्यामलाल पाल, इन्हें तत्काल मिर्जापुर से बाहर ट्रांसफर किया जाय–श्यामलाल, आचार संहिता का सख्ती के पालन कराने की मांग की।

लखनऊ– मंत्री दिनेश प्रताप के आवास पर कर्मचारियों में हड़कंप, कालिख पोते जाने के बाद हरकत में आए कर्मचारी, गेट के सामने गाड़ी खड़ी कर गेट को छुपाया गया, आनन फानन में पेंटर बुलाकर रंगाई–पुताई शुरू।

कौशाम्बी– यूपी पुलिस में भर्ती कराने के नाम पर 10 लाख की ठगी, सिराथू के रमेश केसरवानी पर 10 लाख की ठगी का आरोप, शातिर ठग रमेश केसरवानी को रुपये देते वीडियो भी बनाया, पीड़ित ने अपने रिश्तेदारों से कर्ज लेकर ठग को रुपये दिया, पीड़ित के पैसा मांगने पर आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी, पीड़ित अशोक कुमार की शिकायत पर ठग के खिलाफ थ्प्त् दर्ज, कोखराज क्षेत्र के भदवा गांव का रहने वाला पीड़ित अशोक कुमार।

48 लाख कर्मियों और 67 लाख पेंशनरों को मिला 3: महंगाई भत्ता, अब इतनी ज्यादा मिलेगी सैलरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में लगभग एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते 'डीए' एवं महंगाई राहत 'डीआर' में तीन फीसदी वृद्धि की सौगात मिली है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने डीए की दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है। पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है। इससे पहले कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने 30 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर डीए की दरों में बिना कोई देरी किए वृद्धि करने की मांग की थी। पत्र में कहा गया कि सामान्य तौर पर महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में बढ़ोतरी का भुगतान, अक्तूबर के पहले सप्ताह में हो जाता था। इस बार केंद्र सरकार ने दशहरे पर भी ऐसी कोई घोषणा नहीं की।

'53': डीए से होगा इतना फायदा–

–किसी कर्मचारी का मूल वेतन 18 हजार रुपये है तो 53 प्रतिशत महंगाई भत्ते के हिसाब से उसके वेतन में हर माह लगभग 540 रुपये बढ़ जाएंगे।

–कर्मचारी का मूल वेतन 25 हजार रुपये है तो उसे प्रतिमाह 750 रुपये का फायदा होगा।

–जिस कर्मी की बेसिक सेलरी 35 हजार रुपये है तो उसे प्रतिमाह 1050 रुपये ज्यादा मिलेंगे।

–45 हजार रुपये की बेसिक सेलरी वाले कर्मी के लगभग 1350 रुपये बढ़ेंगे।

–ऐसे कर्मी, जिन्हें 52 हजार रुपये बेसिक सेलरी मिलती है तो डीए बढ़ोतरी पर उन्हें हर माह 1560 रुपये का फायदा होगा।

–70 हजार रुपये की बेसिक सेलरी वाले कर्मचारी को लगभग 2100 रुपये का फायदा होगा।

–85,500 रुपये की बेसिक सेलरी पर लगभग 2565 रुपये का इजाफा होगा।

–एक लाख रुपये बेसिक सेलरी वाले कर्मियों के खाते में हर माह 3000 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी होगी।

–आमतौर पर सितंबर महीने में होती है डीए/डीआर के दरों की घोषणा

–बता दें कि डीए/डीआर की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा, सितंबर माह में कर दी जाती थी। कई बार अक्तूबर के प्रारंभ में भी डीएध्डीआर का एलान हुआ है। तीन अक्टूबर को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई थी। उसमें रेल कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने की घोषणा की गई। केंद्रीय मंत्री

–अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि रेल कर्मचारियों के लिए 2029 करोड़ रुपए के बोनस को मंजूरी मिल गई है। इसके बाद केंद्रीय कर्मचारियों को

यह आस बंध गई थी कि 9 अक्तूबर की केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में डीए की घोषणा कर दी जाएगी। 'कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स' के महासचिव एसबी यादव ने 30 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर डीए की दरों में बिना कोई देरी किए वृद्धि करने की मांग की थी। उन्होंने लिखा, अक्तूबर माह में केंद्र सरकार, भत्तों व बोनस देने की घोषणा करती है तो उनका भुगतान नवंबर में हो सकेगा।

देरी पर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में था असंतोष–इन भत्तों को तय समय पर जारी न कर केंद्र सरकार, खुद लाभ कमा रही है। एसबी यादव के अनुसार, वित्त मंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि महंगाई भत्ता 'डीए' और महंगाई राहत 'डीआर' एक जुलाई से देय हैं। आमतौर पर सितंबर के आखिरी सप्ताह में इसकी घोषणा कर दी जाती थी। इसके बाद अक्टूबर के पहले सप्ताह में कर्मचारियों को तीन महीने का बकाया भुगतान किया जाता था। इन भत्तों की घोषणा में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में गहरा असंतोष था। नवरात्र, दुर्गा पूजा उत्सव व दशहरे का पर्व निकल गया, मगर डीएध्डीआर की घोषणा नहीं की गई।

क्यों देर से डीआर/डीए के दरों की घोषणा करती है सरकार?–केंद्र सरकार के कर्मियों के लिए महंगाई भत्ते 'डीए' की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा कई माह देरी से की जाती है। इसके द्वारा सरकार, खुद लाभ कमा लेती है। चूंकि डीए/डीआर की दरों में हुई बढ़ोतरी से सरकार पर हजारों करोड़ रुपये का भार पड़ता है। ऐसे में सरकार, डीएध्डीआर की घोषणा, तीन चार माह देरी से करती है। इस अवधि के दौरान सरकार का पैसा निवेश होता है, जिस पर उसे अच्छा खासा ब्याज मिलता है। नियमानुसार, पहली जनवरी और पहली जुलाई से महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में बढ़ोतरी करने का प्रावधान है, लेकिन केंद्र सरकार हर दफा यह घोषणा करने में तीन चार माह की देरी कर देती है। अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव और राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) स्टाफ साइड के वरिष्ठ सदस्य सी.श्रीकुमार के अनुसार, सरकार को इस मामले में देरी नहीं करनी चाहिए। जब पहली जनवरी और पहली जुलाई से डीए बढ़ोतरी का नियम है तो इसमें कई माह की देरी क्यों हो रही है। अगर ये भत्ते देने में तीन चार माह की देरी होती है तो सरकार हजारों करोड़ रुपये बचा लेती है।

योगी–आडवाणी समेत 9 वीआईपीएस की सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो, अबपीएफ को सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आतंकवाद विरोधी कमांडो बल एनएसजी को वीआईपी सुरक्षा कर्तव्यों से पूरी तरह हटाने और अगले महीने तक अपने नौ हाई रिस्क वीआईपी को सीआरपीएफ को सौंपने का आदेश दिया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मियों की एक नई बटालियन को भी मंजूरी दे दी है। हाल ही इन्हें संसद सुरक्षा कर्तव्यों से हटा दिया गया है। अब प्रशिक्षित कर्मियों की बटालियन को सीआरपीएफ वीआईपी सुरक्षा विंग से जोड़ा जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि नौ जेड प्लस श्रेणी के वीआईपी की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो द्वारा की जा रही है। इनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा अब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) करेगी।

गृह मंत्रालय के तहत दोनों बलों के बीच कर्तव्यों का हस्तांतरण एक महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। सीआरपीएफ की छह वीआईपी सुरक्षा बटालियन को इस उद्देश्य के लिए सातवीं बटालियन को शामिल करने के लिए कहा गया है। ताजा बटालियन वो है जो कुछ महीने पहले तक संसद की सुरक्षा करती थी। पिछले साल हुई सुरक्षा उल्लंघन के बाद संसद की सुरक्षा सीआरपीएफ से हटाकर सीआईएसएफ को सौंप दी गई थी।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती पर देश व प्रदेशवासियों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

संज्ञान दृष्टि टीम

लखनऊ (संज्ञान दृष्टि)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अपने शुभकामना सन्देश श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर देश और दुनियां को सत्य के रास्ते पर चलने का महत्वपूर्ण सन्देश दिया। भगवान श्रीराम की गौरवगाथा को जन–जन तक पहुंचाने मे महर्षि वाल्मीकि ने अपनी प्रज्ञा के आलोक से सबको आलोकित किया। भगवान श्रीराम के जीवन दर्शन को रेखांकित कर उन्होने सामाजिक जीवन मूल्यो व आदर्शो को चिर स्थायित्व प्रदान करने का जो कार्य किया वह आज भी हम सबके लिए अनुकरणीय है, प्रेरणादायक है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने शरद पूर्णिमा की समस्त देश एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

केंद्र सरकार का किसानों को तोहफा, छह फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने रबी की फसलों के लिए न्यूयनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में इजाफा किया है। एक अधिसूचना जारी कर सरकार ने बताया कि गेहूं के लिए एमएसपी 2275 रुपये से बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। वहीं, जौ का एमएसपी 1850 रुपये से बढ़ाकर 1980 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। चने पर एमएसपी 5440 रुपये से बढ़ाकर 5650 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। दाल (मसूर) पर एमएसपी 6425 रुपये से बढ़ाकर 6700 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। सरसों पर एमएसपी 5650 रुपये से बढ़ाकर 5950 रुपये प्रति क्विंटल की गई।

परिवहन मंत्री ने किया सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन के अवसर पर 28 नये इण्टरसेप्टर वाहनों को दिखायी हरी झण्डी

– इण्टरसेप्टर वाहनों से सड़क सुरक्षा कार्य में आयेगी मजबूती
– सड़क सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषय है
– सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य
– सड़क सुरक्षा के लिए जनजागरूकता जरूरी
–दयाशंकर सिंह

प्रांजल श्रीवास्तव

लखनऊ (संज्ञान दृष्टि)। प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह जी की अध्यक्षता में आज इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन हुआ। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती समारोह से शुरू होकर आज सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन हो रहा है। सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है एवं आज के समय में बहुत ही आवश्यक विषय भी है। आज प्रदेश 13 हाईवेज के साथ देश में सबसे अधिक हाईवेज वाला प्रदेश है, जिसमें से 06 हाईवेज बन चुके हैं एवं अन्य हाई–वेज पर कार्य तेजी से चल रहा है। हाईवेज बनने से आवागमन में सुगमता के साथ–साथ समय का भी बचाव हो रहा है। साथ ही बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं भी चिन्ता का विषय हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं अन्य लोगों से कराने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित थे। उनसे उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों को अपने दिनचर्या में लाने का आह्वान किया।परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि में उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है, यह एक चिन्ता का विषय है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को लेकर बहुत ही अधिक संवेदनशील हैं। उनकी अध्यक्षता में साल में दो बार सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक आयोजित होती है। प्रदेश में जितनी मौतें कोरोना काल में भी नहीं हुई उससे अधिक मौतें (लगभग 23 हजार प्रतिवर्ष) सड़क दुर्घटनाओं की वजह से होती हैं। होने वाली मौतों में सबसे अधिक संख्या 18–35 आयु वर्ष वाले युवाओं की है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक की कमी लाने का लक्ष्य है। इसी के दृष्टिगत प्रदेश में समय–समय पर सड़क सुरक्षा अभियान के साथ–साथ सड़क सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएं भी विभाग करा रहा है। इसके अलावा सभी कॉलेजों एवं विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग एवं स्टेक होल्डर विभाग (पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास इत्यादि) के अलावा आमजन का भी सहयोग बेहद जरूरी है। आमजन की सहभागिता से ही लक्ष्य को प्राप्त करना संभव है।

परिवहन मंत्री ने कहा कि 2014 से पूर्व लोग जगह–जगह पर कूड़ा–कचड़ा फेक दिया करते थे, परन्तु देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता पखवाड़े की शुरूआत के पश्चात अब परिस्थितियों में बदलाव आया है और लोग स्वयं साफ–सफाई तो कर ही रहे हैं, बल्कि गंदगी करने वाले लोगों को टोक भी रहे हैं। इसी प्रकार सड़क सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ भी दिलायी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति स्व0 एपीजे अब्दुल कलाम का एक उद्धरण भी सुनाया–कहा ''सपने वो नहीं होते हैं, जो रात में हम देखते हैं, बल्कि सपने वो होते हैं जो हमें सोने न दें। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत सोंच व दृढ़–इच्छाशक्ति से किया गया प्रत्येक कार्य सफल होता है। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहन चालक हेलमेट एवं चार पहिया चालक सीटबेल्ट का प्रयोग आवश्य करें। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी पैनल पर विज्ञापन के माध्यम से उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए कार्यक्रम के समापन के अवसर पर 28 नये इण्टरसेप्टर वाहनों को हरी झण्डी दिखायी। उन्होंने कहा कि इण्टरसेप्टर वाहनों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के कार्य में और तेजी आयेगी एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को कार्य करने में सुगमता होगी। इण्टरसेप्टर वाहनों से ओवर स्पीडिंग, ड्रकेन ड्राइव, रांग साइड ड्राइविंग, मोबाइल इस्तेमाल की जांच में आसानी होती है।कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य सचिव परिवहन श्री एल0 वेंकटेश्वर लू, परिवहन आयुक्त श्री चन्द्रभूषण सिंह, अपर परिवहन आयुक्त श्री पुष्पसेन सत्यार्थी, श्री ए0के0 सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी श्री संजय कुमार तिवारी, श्री संदीप कुमार पंकज सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत और कनाडा के बीच के विवाद में किसके साथ अमेरिका–ब्रिटेन, बयान जारी कर कह दी बड़ी बात

खालिस्तानी। आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर को लेकर भारत और कनाडा के बीच जंग बढ़ती जा रही है। कनाडा के प्रधानमंत्री के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तानियों के प्यार में इतना पागल हो गए हैं कि उन्होंने पूरे देश की इज्जत दांव पर लगा दी है। जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को सुनकर भारत भी अब आर पार के मूड में आ गया है। भारत के सामने अब कनाडा की हैसियत पाकिस्तान सरीखी बनती जा रही है। सूत्रों की माने तो अगले कुछ दिनों में भारत कनाडा के साथ बहुत बड़ा खेल करने वाला है। लेकिन इन सब के बीच भारत और कनाडा की जंग में अब अमेरिका का बयान सामने आया है। अमेरिका ने बता दिया है कि वो इस जंग में किसके साथ खड़ा है। अमेरिका के अलावा ब्रिटेन ने भी ये बता दिया है कि वो किसकी तरफ है। अमेरिका ने कहा है कि कनाडा के आरोप बेहद गंभीर हैं। भारत को उसकी जांच में सहयोग करना पड़ेगा।

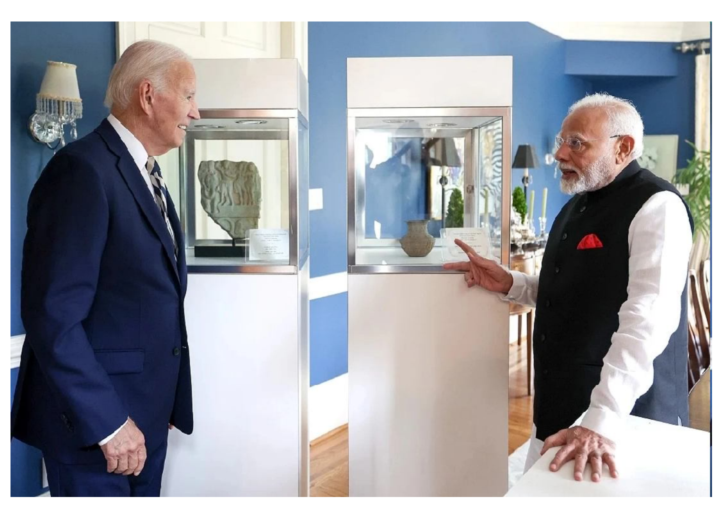

अमेरिका ने भारत को नसीहत दी है कि वो जल्द से जल्द जांच में भारत की मदद करे क्योंकि भारत ने अभी तक जांच में सहयोग नहीं किया है। यानी अमेरिका सीधे सीधे कनाडा की तरफ जाकर खड़ा हो गया है। वैसे अमेरिका खुद भी बेबुनियाद आरोप लगा चुका है कि भारतीय एजेंट्स उसकी जमीन पर खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून को मरवाना चाहते हैं। अमेरिका की तरह ब्रिटेन ने भी साफ कर दिया है कि वो कनाडा के साथ है। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से फोन पर बात की है। भारत से मुंह की खाने के बाद जस्टिन ट्रूडो ने यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को फोन लगा डाला। कनाडा के पीएम ऑफिस के हवाले से कहा गया कि ट्रूडो ने ब्रिटेन पीएम से बात की और भारत पर लगे अपने आरोपों को दोहराया। ब्रिटेन के सामने ट्रूडो के गुहार लगाने से साफ पता चलता है कि उन्हें खुद भी अपने सबूतों पर यकीन नहीं है। भारत सरकार से जुड़ी कनाडाई जांच को लेकर कनाडा के साझेदारों के संपर्क में है और उसने ओटावा की न्यायिक प्रणाली पर विश्वास जताया। यह बयान तब आया है जब इससे पहले भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और कनाडा में अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को वापस बुला लिया।

सम्पादकीय

हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में अधिक सावधान रहना होगा

कांग्रेस पार्टी को अपने इंडिया गठबंधन सहयोगियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उसने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव को ठीक से नहीं लड़ा, जिससे भाजपा को दस साल की सत्ता विरोधी लहर के बावजूद तीसरी बार जीत हासिल करने का मौका मिल गया। अधिकांश एग्जिट पोल ने कांग्रेस की स्पष्ट जीत की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भाजपा ने 90 में से 48 सीटें हासिल कीं, एक ऐसी जीत जिसने खुद भाजपा को भी चौंका दिया।

यदि कांग्रेस हरियाणा में जीत जाती तो कांग्रेस के पुनरुत्थान की कहानी को बढ़ावा मिलता। हालांकि, कांग्रेस ने हाल ही में आंतरिक संघर्षों के कारण यह पांचवां विधानसभा चुनाव गंवा दिया। इसके पहले वह पंजाब, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हार चुकी थी। अब यह अनिश्चित है कि इंडिया गठबंधन में उसकी साझेदार राजनीतिक पार्टियां भाजपा के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ एकजुट होंगे या नहीं। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के लिए आप के साथ गठबंधन जीत के लिए फायदेमंद होता है या नहीं, इस पर बहस हो रही है। दूसरे, हार का असर महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले आगामी चुनावों पर पड़ेगा। हरियाणा के नतीजों का तत्काल असर दिल्ली, महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में सीटों के बंटवारे पर पड़ने की संभावना है। तीसरे, यह अनिश्चित है कि कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन होगा या नहीं। आप पहले ही कह चुकी है कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी। अपनी अनुकूलता और समझौते की वजह से 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया ब्लकिं ने अच्छा प्रदर्शन किया। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा से आमने–सामने की लड़ाई करना था और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित नहीं करना था। गठबंधन ने चिड़चिड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और इसके कारण चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा। उन्होंने भाजपा को हराने के एकमात्र उद्देश्य से काम किया और कुछ हद तक इसमें सफल भी रहे। भाजपा का बहुमत कम हो गया और जेडीयू और टीडीपी की मदद से सरकार बनानी पड़ी। हरियाणा की हार ने गठबंधन के भीतर की स्थिति को बदल दिया है, जिसके बाद इंडिया ब्लॉक की अन्य राजनीतिक पार्टियों को कांग्रेस पर बढ़त मिल गयी है। साझेदार शायद थोड़ी अधिक संयमित और समझ–बूझ से निर्णय करते हुए अब कांग्रेस के साथ काम करेंगे। अभी तक किसी राजनीतिक पार्टी ने यह नहीं कहा है कि इंडिया ब्लकिं खत्म हो गया है। इसके विपरीत, हार के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के बयान से संकेत मिलता है कि कांग्रेस के साथ सपा का गठबंधन जारी रहेगा। अखिलेश ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि इंडिया ब्लॉक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस–सपा का गठबंधन बरकरार रहेगा। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी, जबकि उसने तीन महीने पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। कांग्रेस तथा आप को कोई सीट नहीं मिली थी। अन्य सहयोगियों ने कांग्रेस की अति आत्मविश्वास और सीट बंटवारे के प्रति उसके कठोर रवैये की आलोचना की। लोकसभा चुनाव में अपनी संख्या दोगुनी करने वाली कांग्रेस हरियाणा में मिली करारी हार के बाद कमजोर पड़ गयी है। अधिकांश एग्जिट पोल ने हरियाणा में कांग्रेस की आश्चर्यजनक जीत का संकेत दिया क्योंकि भाजपा को 10 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा और असंतुष्ट लोगों के एक वर्ग से निपटना पड़ा। हालांकि, भाजपा ने सबको चौंका दिया और हरियाणा में अपनी सबसे प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस ग्रामीण राज्य में किसी भी पार्टी को कभी भी तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल नहीं हुई थी। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना उद्धव और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे पर चर्चा चल रही है। कांग्रेस को सीट बंटवारे के फर्मूले और चुनाव से पहले ही ठाकरे को सीएम के चेहरे के रूप में पेश करने की शिवसेना की मांग पर अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है।

आप ने हरियाणा चुनाव में कोई सीट नहीं जीती, लेकिन उसे लगभग 1.78 प्रतिशत वोट मिले। अगर कांग्रेस ने आप के साथ गठबंधन किया होता तो निस्संदेह यह इंडिया ब्लॉक की झोली में जुड़ जाता। शिवसेना नेता संजय राऊत के अनुसार, कांग्रेस ने छोटी पार्टियों और उनके सहयोग के प्रस्तावों को नजरअंदाज कर दिया। तृणमूल कांग्रेस, आप, शिवसेना ह्उद्धव्, नेशनल कॉफ्रेंस, आरजेडी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य पर्टियों के नेताओं ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के लिए कांग्रेस की आलोचना की। शिवसेना के मुखपत्र सामना में बुधवार को संपादकीय में कहा गया, शकिसी ने नहीं सोचा था कि हरियाणा में भाजपा की सरकार फिर बनेगी। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के अति आत्मविश्वास और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अहंकार के कारण पार्टी की हार हुई।

लोकसभा चुनाव के दौरान सीट बंटवारे के लिए अपनाये गये फॉर्मूले को दोहराना महत्वपूर्ण है, कम से कम महाराष्ट्रऔर झारखंड चुनाव में तो यही होगा। कमजोर कांग्रेस अपने अधिकांश सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे में बढ़त नहीं बना पायेगी। गठबंधन में मौजूदा मूड का असर कांग्रेस के अपने सहयोगियों के साथ संबंधों पर पड़ना चाहिए। विपक्ष शायद और झटके न झेल पाये। कांग्रेस को भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में लोक सभा की 286 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। 2024 के चुनावों ने साबित कर दिया कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का स्टन्नइक रेट 2019 के 8 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत हो गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने भाजपा के साथ 286 सीटों पर चुनाव लड़ा, जो 2014 में 370 से कम है। कांग्रेस 2004 और 2009 में अपने सहयोगियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंधों के कारण सत्ता में आई थी। इंडिया गठबंधन को बनाये रखने की जिम्मेदारी मोटे तौर पर कांग्रेस पर है। उसे यह समझना चाहिए कि हर साथी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा जरूरी है। कांग्रेस ने आत्ममंथन किया है। पंचमढ़ी और शिमला इसके अच्छे उदाहरण हैं। अब एक और ऐसे सत्र का समय आ गया है।

आपदा या कमाई का अवसर

अगर दिल्ली की तीनों सरकारें अर्थात केंद्र सरकार, राज्य सरकार और लाट साहब वाली तीसरी सरकार किसी सवाल पर एक ही दिशा में काम करने पर जुटे तो इसे ट्रिपल इंजन सरकार कहा जाए या नहीं, इस बात पर विवाद हो सकता है लेकिन अगर वे तीनों किसी बड़ी समस्या को निपटाने के सवाल पर सक्रिय हो तो सामान्य ढंग से खुश होना बनाता है। दिल्ली में प्रदूषण वाले मौसम की शुरुआत से पहले उसकी रोकथाम के नाम पर ऐसा ही हो रहा है। ऐसा हर साल होता है और स्वास्थ्य के नुकसान के साथ ही काफी सारे धन की बर्बादी को जान समझ लेने के बाद भी कहा जा सकता है कि कुछ मामलों में हल्का फर्क आया है। पराली अर्थात धान की खेत में छोड़ी डंडियों या पुआल को वहीं जला देने से फैलने वाले धुएं की मात्रा और सघनता में कमी आई है और कई कदम भी उठाने का प्रयास हुआ है। ऐसा सारे कदमों के लिए नहीं कह सकते पर बेतहाशा बढ़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुएं को भी नुकसानदेह गिनना ऐसा ही कदम है जो कैंसर से लेकर न जाने कितनी बीमारियों का कारण माना जाता है। इसके साथ ही यह भी हुआ है कि आपदा में अवसर ढूंढने वाले भी आ गए हैं। मुश्किल यह है कि ऐसा सिर्फ कमाई के काम में लगे चंद लोग नहीं हैं, खुद सरकार उनकी सेवा में लगी दिखती है। और वह गलती करने वालों को पकड़ने या सजा देने की जगह अपने नागरिकों को सजा देने, वसूली करने और उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ की छूट दे रही है। जो लोग प्रदूषण रोकने के मानकों पर खरा उतरने वाले वाहन नहीं बना रहे हैं सरकार उनके वाहनों की बिक्री बढ़वाने का जिम्मा लेकर काम करती लग रही है और यह करते हुए उसका खजाना भी भर रहा है। जिन नागरिकों की जेब कट रही है या जिनको प्रदूषण की मार झेलनी होती है उनको ही दोबारा वहां खरीदने का बोझ उठाना पड़ रहा है क्योंकि सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को नाश होने दिया है। अकेले दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की संख्या में 2021–22 में सीधे 35.4 फीसदी कमी हो गई है। 2020–21 में दिल्ली में 1. 2 करोड़ पंजीस्त्रत वाहन थे जो 2021–22 में 79.2 लाख रह गए। दिल्ली सरकार ने 48,77,646 वाहनों का पंजीयन समाप्त किया था और बड़े पैमाने पर पुराने वाहनों की धर–पकड़ से यह सफलता मिली थी पर ये सारे वाहन किसी न किसी के उपयोग में थे, जीवन चला रहे थे, उनकी शान थे। यह और बात है कि हमको–आपको चूं की आवाज भी सुनाई नहीं दी। अब फिर सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेटन्नेल वाहनों की धर–पकड़ तेज करने का फिसला किया है। दिल्ली में 60 लाख ऐसे वाहन है और उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। सार्वजनिक जगहों पर उनकी पार्किंग भी गैरकानूनी है, उनको चलाना तो अपराध है ही। और दिल्ली सरकार की मुखिया आतिशी सिंह को यहां के लेफ्टि. गवर्नर वी.के. सक्सेना के आदेश को आगे बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं हुई। सक्सेना साहब इस काम को मिशन भाव से कर रहे हैं। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट नामक संस्था भी सर्दियों के पहले बढ़ते प्रदूषण के नाम पर अपनी रिपोर्ट और सुझाव के साथ हाजिर है। किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उनका बैर प्रदूषण से है या पुरानी गाड़ियों से या फिर सबका उद्देश्य नई गाड़ियां बिकवाना है। न तो प्रदूषण चेक करके देखने की जरूरत मानी गई ना ऐसे वाहनों को देहात या कम प्रदूषण वाले इलाकों में भेजने का या सस्ते निर्यात का विकल्प सोचा गया। सीधे दामिल फांसी। जिन गाड़ियों का पंजीकरण निरस्त हुआ है उनमें बहुत ऐसी भी है जिनको ज्यादा अवधि का लाइसेंस इन्हीं सरकारों ने दिया और जिनसे ज्यादा अवधि का रोड टैक्स वसूला जा चुका है। सुनते हैं कि इस आदेश के खिलाफ कुछ लोग अदालत गए थे पर उनके मुकदमे का क्या हुआ? यह खबर कहीं से नहीं आई है। दूसरी ओर, हर कहीं पुराने वाहनों की धर–पकड़ हो रही है। सिपाहियों को सिर्फ निर्देश नहीं है, संभवतः कुछ बोनस भी दिया जा रहा है। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की है कि दिल्ली में 5928675 ऐसी गाड़ियां हैं लेकिन सिर्फ कुछ हजार गाड़ियां ही पकड़ी गई हैं। लाट साहब सक्सेना जी अलग लगे पड़े हैं। सो देखते जाइए कि इस बार के धुंध और प्रदूषण के मौसम में कितनी गाड़ियां कुर्बान होती हैं। जाहिर तौर पर इन सबके पीछे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2020–21 के बजट में निजी वाहनों और व्यावसायिक वाहनों को जोड़कर करीब अस्सी लाख गाडियों को स्क्रैप करने की बात कही है। तब भी कहीं से कोई आवाज नहीं आई थी।

इसके बाद नई नीति के कुछ संकेत परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिए थे। यह फैसला सिर्फ नई गाडियों के लिए नहीं था बल्कि उन गाडियों पर भी लागू हुआ जिनका पर्नेह और बीस साल का रोड टैक्स पहले वसूला जा चुका था। कहना न होगा कि मामला दिल्ली भर का नहीं है। अगर अकेले दिल्ली में एक साल मे 48 लाख से ज्यादा गाड़ियां कबाड़ बन गईं और अब 60 लाख गाड़ियों का पंजीकरण खत्म हुआ है तो देश भर की संख्या से निर्मला जी और गडकरी साहब बहुत खुश होंगे ही। माना जाता है कि जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण घोषणा कर रही थीं तब उन्होंने जानबूझ कर गलत आंकड़ा दिया। उन्होंने जो संख्या बताई वह असल संख्या के लगभग चालीस फीसदी भी नहीं मानी जाती। जानकार मानते हैं कि देश में इस नीति के दायरे में आने वाले वाहनों की संख्या चार से साढ़े चार करोड़ के बीच होगी जिनमें से आधे से कम वाहन ही उम्र की सीमा के अन्दर हैं। जाहिर है काफी सारे वाहन जिला पंजीयन कार्यालय की पहुंच और जानकारी से भी बाहर होंगे। कार को कबाड़ मानकर तोड़ना, गलाना और उसके मुत्र्ठी भर धातुओं का दोबारा इस्तेमाल करने से बेहतर तो यही है कि किसी तरह उसमें इस्तेमाल हुई चीजों का तब तक अधिकतम इस्तेमाल किया जाए जब तक वे सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अर्थात ज्यादा प्रदूषण फैलाकरव् हमारे लिए खतरा न बन जाएं. यह कल्पना भी आसान नहीं है कि भारत जैसे गरीब मुल्क में बनी गाड़ियों में से दो करोड़ से ज्यादा को हमारी ही सरकार कबाड़ बनाने जा रही है। एक तो भारत जैसे देश में इतनी गाड़ियों के बनने चलने और सार्वजनिक परिवहन की इस दुर्गति पर भी सवाल उठने चाहिए। इतनी गाडियों से रोड टैक्स वसूलने के बाद भी टोल टैक्स वसूली वाली सड़कों पर सवाल उठने चाहिए। लेकिन इनमें से कोई सवाल इतना बड़ा नहीं है कि एक साथ दो–ढाई करोड़ ऐसी गाड़ियों को कबाड़ घोषित करके गिनती की कम्पनियों को मालामाल करने के फैसले पर सवाल उठाने की बात भुला दी जाए।

अमीर–गरीब देशों के फर्क का राज

विश्व का सबसे सम्मानित कहा जाने वाला नोबेल पुरस्कार अर्थशास्त्र के क्षेत्र में तीन शोधकर्ताओं डारोन एसिमोग्लू, साइमन जनिंसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को दिया गया है। उन्होंने इस बात का पता किया है कि आखिर वे कौन से तथ्य हैं जिनके चलते विभिन्न देशों के बीच अमीरी–गरीबी का फर्क पैदा होता है। उन्होंने इसे दूर करने के कुछ उपाय बताये हैं जिन पर अमल कर वैश्विक गैरबराबरी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। देखना यह होगा कि जिन देशों के पास दुनियावी बदलाव करने की ताकत है, वे इस पर कितना अमल करते हैं। जाहिर है कि ऐसा कर वे स्वयं अपने रुतबे तथा दबदबे को खत्म करेंगे। इस रिसर्च को तो उन राष्ट्राध्यक्षों को ध्यान से पढ़ने, समझने और उसे क्रियान्वित करने की जरूरत है जो अपने देश के नागरिकों को खुशहाल बनाना चाहते हैं। यहां सवाल विश्व के सम्पन्न देशों की सूची में आना मात्र नहीं है वरन अपने नागरिकों के रहन–सहन के स्तर को ऊंचा करना और उन्हें एक गरिमामय जीवन प्रदान करना भी है। एसिमोग्लू, जॉनसन और रॉबिन्सन ने अपने सामूहिक अध्ययन एवं विशद विश्लेषण से स्पष्ट किया है कि कुछ देश क्यों अमीर हो गये और अनेक किसलिये गरीब हैं। इसके लिये उन्होंने कुछ इलाकों के उदाहरण भी प्रस्तुत किये हैं जिनके कुछ क्षेत्र एक देश में हैं तो कुछ दूसरे देश में।

रयिंल स्वीडिश एकेडमी अफिं साइंसेस ने सोमवार को इन अर्थशास्त्रियों को संयुक्त रूप से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने का ऐलान करते हुए उनके काम की महत्ता को रेखांकित किया। 5 क्षेत्रों में दिये जाने वाला नोबेल आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले को स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कारश कहलाता है। समिति ने कहा कि पुरस्कार के लिये चयनित अर्थशास्त्रियों ने पहली बार सामाजिक संस्थाओं के महत्व को प्रतिपादित करते हुए देशों की समृद्धि में उनके योगदान की वैज्ञानिक तरीके से मीमांसा की है। अपने शोध से उन्होंने यह भी बतलाया कि कैसे लोकतंत्र एवं समावेशी सामाजिक संस्थानों के जरिये राष्ट्र का विकास सम्भव है। एसिमोग्लू, जनिंसन तथा रॉबिन्सन के इस शोध ने बताया है कि खराब कानून व्यवस्था तथा नागरिकों का शोषण करने वाली संस्थाएं या देश सकारात्मक बदलाव नहीं ला सकते। पुरस्कार समिति का यह कहना कि, श्देशों के बीच आय के अंतर को खत्म करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती हैश, ऐसी वैश्विक अर्थव्यवस्था के दुष्प्रभावों की ओर छिपा संकेत है जिसके माध्यम से कई देशों की राजनैतिक एवं आर्थिक संस्थाओं को बर्बाद कर उन्हें पिछड़ा बना दिया गया है। उपरोक्त अर्थशास्त्रियों ने यूरोपीय उपनिवेशों द्वारा प्रवर्तित विभिन्न राजनीतिक व आर्थिक प्रणालियों का विशेलेषण कर संस्थाओं एवं सम्पन्नता के अंतर्संबंधों का पता किया है। उन्होंने इसके उपाय भी बताये हैं कि कैसे इन संस्थाओं को सक्षम कर विकास में उनका सहयोग लिया जा सकता है। इसके कारण यह शोध विश्व भर के उन देशों के लिये मददगार हो सकता हैं जो गरीबी से छुटकारा पाना चाहते हैं। उनकी शोध बतलाती है कि कैसे दुनिया के सर्वाधिक सम्पन्न 20 प्रतिशत देश अब विश्व के सबसे गरीब 20 फीसदी देशों से 30 गुना अमीर हैं। कई विपन्न देश समृद्ध तो हुए हैं लेकिन वे अमीर देशों की तुलना में अब भी कई गुना कम सम्पन्न हो सके हैं। इसका कारण उन्होंने भौगोलिक या सांस्त्रतिक फर्क नहीं, सामाजिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली में अंतर को जिम्मेदार बतलाया है। अपनी बात को विस्तार देते हुए तीनों ने बताया है कि उनके मडिंल के तीन हिस्से हैं। पहला तो यह देखना होगा कि संसाधनों का आवंटन कैसे हुआ हैय तथा निर्णय लेने की शक्ति किस समूह के पास है। दूसरा यह कि कभी–कभार जनता को सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग को संगठित कर सत्ता का इस्तेमाल करने का जब अवसर मिलता है तो समाज में निर्णय लेने की शक्ति कहीं अधिक हो जाती है। तीसरी है प्रतिबद्धता। सत्तारुढ़ अभिजात वर्ग के लिये एकमात्र विकल्प जनता को निर्णय लेने की शक्ति सौंपना है। उपरोक्त निष्कर्षों को यदि गौर से देखा जाये तो बात अंततरू स्वच्छ लोकतांत्रिक प्रणाली एवं ईमानदार संवैधानिक संस्थाओं की आवश्यकता पर जाकर ठहरेगी। किसी भी देश में चाहे जिस विचारधारा की सरकार हो उसके सही या गलत होने का पैमाना यही होगा कि वह इन संस्थाओं को कितनी स्वंतत्रतापूर्वक काम करने देती है। सरकारों का केवल लोकतांत्रिक प्रणाली के जरिये चुना जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से शासन करना भी उतना ही जरूरी है। साथ ही आवश्यक है लोकतांत्रिक संस्थाओं को सम्प्रभुता प्रदान करना। भारत समेत अनेक देशों के ही उदाहरण देखें तो शासकों की प्रवृत्ति शक्तियों के केन्द्रीकरण में है। बड़ी दिक्कत यह है कि लोगों की समझ को इस प्रकार से भोंथरा कर दिया गया है कि शक्तिशाली सरकारों वाले देश ही सम्पन्न हो सकते हैं।

नोबेल पुरस्स्रत उपरोक्त अर्थशास्त्रियों ने अध्ययन का दायरा देशों की आर्थिक व्यवस्था तक ही सीमित रखा है, लेकिन इसे समझने के लिये अपनी सोच को विस्तार दिया जाये तो यह भी साफ होता जायेगा कि संस्थाओं की जिस मजबूती की बात की गयी है, उसके अभाव में किसी भी देश में न केवल आर्थिक अव्यवस्था हो जायेगी वरन सामाजिक एवं राजनीतिक अराजकता फैलने में भी देर नहीं लगेगी। यह आशंका तीसरी दुनिया कहे जाने वाले एशियाई, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी उन देशों को लेकर अधिक है जो अविकसित तथा विकासशील राष्ट्रों की श्रेणी में आते हैं। भारत के पड़ोसी देशों–श्रीलंका एवं बांग्लादेश में ऐसा होता हुआ दिख चुका हैं।

आज का राशिफल

मेष वृषभ मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन

मेष :– नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

बृषभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंत्रणरख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सु॰ढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रध ाान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

तुला :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक :– पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

धनु :– रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ :– भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

मीन :– भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

खाना खजाना / सेहत / ब्यूटी

सफेद कपड़ों की चमक हमेशा रहेगी बरकरार, आप भी अपनाएं क्लीनिंग के आसान हैक्स

समय के साथ ही सफेद कपड़े अपनी चमक खो देते हैं। ऐसा बार–बार पहनने से भी हो सकता है। बार–बार पसीना और धोने की वजह से उन पर दाग या फिर पीलापन आ सकता है। ऐसे में आप सही तरीका और कुछ हैक्स अपनाकर सफेद कपड़ों की चमक को वापस पा सकते हैं। साथ ही उनको लंबे समय तक फ्रेश बनाए रख सकते हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे ही ट्रेंडिंग कुछ हैक्स बताने जा रहे हैं, जो आपके काम को काफी हद तक आसान कर देंगे। इसलिए अगर आपको सफेद कपड़ों की चमक को बरकरार रखना है, तो आपको ये हैक्स जरूर ट्राई करना चाहिए।

धोने से पहले करें प्री–ट्रीट– धोने से पहले सफेद कपड़ों को रंगीन कपड़ों से अलग कर लें। क्योंकि इससे सफेद कपड़ों की चमक फीकी पड़ सकती है। धोने से पहले किसी भी दाग को पहले अच्छे से ट्रीट कर लें। दाग वाले एरिया पर

बेकिंग सोडा और पानी का साधारण घोल लगाकर उस दाग को कम करें।

ठंडे पानी और डिटर्जेंट का इस्तेमाल–सफेद कपड़ों को गर्म पानी में धोने से इनमें दाग जम सकते हैं और साथ ही कपड़े भी खराब हो सकते हैं। सफेद कपड़ों के लिए ठंडे या गुनगुने पानी में हल्के डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। यह कपड़ों को घिसने और रंगहीन होने से बचाता है।

मशीन न करें ओवरलोड– ओवरलोड करने से वॉशिंग मशीन में ठीक से सफाई नहीं हो सकती है। इसलिए सफेद कपड़ों को अच्छे तरीके और आसानी से साफ होने दें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि मशीन ज्यादा भरी न हो। इससे मशीन में गंदगी जल्दी साफ होगी।

दूध में भिगोएं सफेद कपड़े–सफेद कपड़ों को ब्राइट करने के लिए दूध का इस्तेमाल किया जाता है। खास तौर पर सिल्क, लेस, या कॉटन जैसे नाजुक कपड़ों को दूध में भिगोने से मौजूद एंजाइम और प्रोटीन दाग हट जाते हैं। यह कपड़ों को बिना भिगोए चमकाने का काम करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल–

सबसे पहले एक टब में बराबर मात्रा में ठंडा पानी लें। फिर इसमें फुल फैट दूध मिला लें। अब गंदे कपड़ों को इस मिश्रण में 1 घंटे के लिए भिगो दें।

इसमें थोड़ा सा बेकिंग सोडा भी डाल सकते हैं।

यह स्क्रब की तरह काम करेगा।

भिगोने के बाद ठंडे पानी से कपड़ों को धो लें।

नाजुक कपड़ों के लिए यह हैक बहुत असरदार है।

एस्पिरिन का घोल–एस्पिरिन एक दर्द निवारक दवा है, जिसमें सैलिसिलिक एसिड होता है। यह दागों को काटता है और कपड़े के रंग को बरकरार रखता है। साथ ही यह कपड़ों की चमक वापस लाने में सहायक होता है।

ऐसे करें इस्तेमाल–

एक गैलन में गर्म पानी में 5–6 एस्पिरिन की गोलियां घोलें।

अपने सफेद कपड़ों को 4–5 घंटे इस घोल में भिगो दें। अब हाथ की मदद या फिर वॉशिंग मशीन में इसको धो लें। कपड़े के जिद्दी पीले दागों पर एस्पिरिन प्रभावी ढंग से काम करता है।

यह पारंपरिक ब्लीच का एक अच्छा ऑप्शन है।

जिद्दी दागों के लिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड–यह एक नेचुरल एजेंट हैं, जो कपड़ों से जिद्दी दाग को हटाने के साथ पीलेपन को कम करने का भी काम करता है। सफेद शर्ट पर अंडरआर्म के दाग या फिर पसीन के दाग हटाने के लिए बहुत उपयोगी है।

ऐसे करें इस्तेमाल–

एक गैलन पानी में 1 कप हाइड्रोजन पेरोक्साइड घोलें।

फिर इस मिश्रण में सफेद कपड़ों को आधे घंटे के लिए भिगो दें।

इसके बाद कपड़ों को डिटर्जेंट से हटाकर ब्रश से रगड़कर साफ कर लें। हाइड्रोजन पेरोक्साइड दागों को हटाता है और अधिकतर कपड़ों पर सुरक्षित रहता है।

यह क्लोरीन ब्लीज का एक बेहतरीन ऑप्शन बन जाता है।

हाथों में संविधान, आंखों से हटी काली पट्टी, सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की नई मूर्ति लगाई गई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में लेडी ऑफ जस्टिस की नई प्रतिमा से आंखों की पट्टी उतर गई है और संविधान ने उसके एक हाथ में तलवार की जगह यह संदेश देने के लिए ले लिया है कि देश में कानून अंधा नहीं है और न ही यह सजा का प्रतीक है। आंखों पर पट्टी बांधने का मतलब कानून के समक्ष समानता का प्रतिनिधित्व करना था, जिसका अर्थ था कि अदालतें अपने सामने आने वाले लोगों की संपत्ति, शक्ति या स्थिति के अन्य मार्करों को नहीं देख सकती हैं, जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के

आदेश पर स्थापित की गई नई प्रतिमा में आंखें खुली हैं और बाएं हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ें, जैसा कि भारतीय दंड संहिता जैसे औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को भारतीय न्याय संहिता से बदलकर किया गया था। मुख्य न्यायाधीश कार्यालय से जुड़े शीर्ष सूत्रों के अनुसार, जस्टिस चंद्रचूड़ का मानना है कि भारत को ब्रिटिश विरासत से आगे बढ़ना चाहिए और कानून कभी अंधा नहीं होता, वह सभी को समान रूप से देखता है। इसलिए चीफ जस्टिस ने कहा कि लेडी ऑफ जस्टिस का स्वरूप बदला जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि प्रतिमा के एक हाथ में तलवार नहीं बल्कि संविधान होना चाहिए, ताकि देश में यह संदेश जाए कि वह संविधान के मुताबिक न्याय करती हैं। तलवार हिंसा का प्रतीक है लेकिन अदालतें संवैधानिक कानूनों के अनुसार न्याय देती हैं। दाहिने हाथ में न्याय के तराजू को बरकरार रखा गया है क्योंकि वे समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करते हैं और इस विचार का प्रतिनिधित्व करते हैं कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों के तथ्यों और तर्कों को अदालतों द्वारा तौला जाता है।

उमर अब्दुल्ला ने सुरिंदर चौधरी को अपना डिप्टी क्यों चुना? जानें इनके बारे में

जम्मू–कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने आज

जम्मू–कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा छोड़कर पार्टी में शामिल हुए जम्मू के मूल निवासी सुरिंदर कुमार चौधरी को केंद्र शासित प्रदेश का उप मुख्यमंत्री चुना गया है। अब्दुल्ला ने पांच मंत्रियों – सकीना मसूद (इटू), जावेद डार, जावेद राणा, सुरिंदर चौधरी और सतीश शर्मा के साथ पद की शपथ ली। उमर अब्दुल्ला ने बाद में खुलासा किया कि सुरिंदर कुमार चौधरी को उनके डिप्टी के रूप में क्यों चुना गया था। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि जम्मू के लोगों को यह महसूस हो कि उनकी कोई आवाज नहीं है।

अब्दुल्ला ने दावा किया कि मैंने कहा था कि हम जम्मू को यह महसूस नहीं होने देंगे कि इस सरकार में उनकी कोई आवाज या प्रतिनिधि नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने जम्मू से एक उपमुख्यमंत्री चुना है ताकि जम्मू के लोगों को लगे कि यह सरकार उतनी ही उनकी है जितनी बाकी लोगों की है। चौधरी ने नौशेरा में बीजेपी के रविंदर रैना को 7819 सीटों से हराया।

वह हिंदू बहुल इलाकों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के एकमात्र विधायक हैं। नए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने बुधवार को कहा कि यह पूरे जम्मू क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है और उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने हमेशा लद्दाख सहित तीनों क्षेत्रों को साथ लेकर काम किया है। जम्मू के पीर पंजाल क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले चौधरी ने कहा कि उमर अब्दुल्ला सरकार की प्राथमिकताएं कमियों को दूर करना है, बेरोजगारी, बिजली और पानी की समस्या जैसे मुद्दों का समाधान करना, अस्पतालों और स्कूलों के कामकाज में सुधार करना और पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 'दरबार मूव' को फिर से शुरू करना होगा जो एक ऐसी व्यवस्था थी जिसके तहत राज्य सरकार जम्मू और श्रीनगर से छह–छह माह काम करती थी।

कौन हैं सुरिंदर कुमार चौधरी?– नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू में चार सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली, जिससे यह रणनीतिक कदम उठाया गया। 56 वर्षीय चौधरी जम्मू के मरहा के रहने वाले हैं और दयाल चंद के बेटे हैं। उन्होंने अपनी आठवीं कक्षा तक की शिक्षा गवर्नमेंट हाई स्कूल, गजनसू से पूरी की।

चौधरी ने 2014 के विधानसभा चुनाव में पीडीपी के टिकट पर नौशेरा से चुनाव लड़कर राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश किया। हालाँकि, वह भाजपा के रविंदर रैना से हार गए, जिन्होंने चौधरी के 27,871 की तुलना में 37,374 वोट हासिल किए। चौधरी और रैना की प्रतिद्वंद्विता 2014 के नौशेरा चुनावों से चली आ रही है, जहां तनाव एक शारीरिक विवाद में बदल गया और रैना को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। तब से, उनकी राजनीतिक दुश्मनी लगातार बढ़ती जा रही है।

कार्तिक आर्यन ने अपने धमाकेदार डांस मूव्स से मचाई धूम, पिटबुल और दिलजीत के साथ लाए पार्टी एंथम

मुंबई। भुल भुलैया 3 के मच अवेटेड टाइटल ट्रैक का इंतजार खत्म हो गया है! टी–सीरीज और भूषण कुमार ने भारत के सिनेमा में सबसे आईकॉनिक म्यूजिकल सहयोग को बनाकर इतिहास रच दिया है। मेकर्स ने अभी–अभी मच अवेटेड भूल भुलैया 3 का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है, जिसमें इंडिया के पॉपुलर स्टार कार्तिक आर्यन हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि यह ट्रैक चार्ट के साथ साथ दिलों पर भी राज करने वाला है। ये ट्रैक एक विजुअल ट्रीट है, जिसमें कार्तिक आर्यन अपने स्लीक, स्मूथ और कैची स्पूकी स्लाइड डांस मूव्स के साथ स्क्रीन पर छा रहे हैं। इस ट्रैक को खास बनता है इंटरनेशनल स्टार पिटबुल का परफेक्ट रैप जो हरे राम–हरे कृष्णा मंत्र के साथ ब्लेंड कर रहे है। साथ ही, पंजाबी सेंसेशन दिलजीत दोसांझ अपना अनोखा स्टाइल लाते हैं, और नीरज श्रीधर हिंदी वोकल्स को संभालते हैं। यह सभी मिल कर, भूल भुलैया फ्रंचाइजी

की असली एसेंस को बनाए रखते हैं, साथ ही मॉडर्न और इंटरनेशनल ट्विस्ट भी देते हैं। म्यूजिक माइस्ट्रॉस प्रीतम और तनिष्क बागची की लीडरशिप में, और नीरज श्रीधर की पहचानी जानी वाली आवाज से उनका सिग्नेचर टच मिलता है। ये ट्रैक ग्लोबल बीट्स और देसी फ्लेयर का एक परफेक्ट मिक्स है, जो संस्कृतियों को अच्छे से ब्लेंड करता है। भूषण कुमार ने भारतीय सिनेमा के लिए एक अनोखा सहयोग किया है। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए वे कहते हैं, घ्हम भूल भुलैया 3 के लिए इस स्पेशल म्यूजिकल सहयोग को पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। पिटबुल, दिलजीत दोसांझ और नीरज श्रीधर को एक साथ लाना कुछ ऐसा है जो भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं किया गया है। प्रीतम और तनिष्क बागची द्वारा बीट्स तैयार करने के साथ, हम बॉलीवुड म्यूजिक की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। और सबसे बढ़कर, इस ट्रैक में सभी के पसंदीदा कार्तिक आर्यन अपने बेहतरीन चार्मिंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसमें शानदार ग्लाइडिंग डांस मूव्स दिखाए गए हैं, जो बिना किसी शक सभी को थिरकने पर मनबूर कर देंगे। यह सहयोग एक माइलस्टोन है और हम दुनिया भर के फैंस द्वारा इसका अनुभव करते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकते।

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार द्वारा निर्देशित, भूल भुलैया 3 बॉलीवुड की पसंदीदा हॉरर–कॉमेडी फ्रंचाइजी की विरासत को आगे बढ़ाने का वादा करती है, और इस शानदार टाइटल ट्रैक के साथ इसे नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। चिल्स, थ्रिल्स और यादगार म्यूजिक से भरी दिवाली के लिए तैयार हो जाइए! और ज्यादा एक्साइटिंग अपडेट के लिए बने रहें क्योंकि भूल भुलैया 3, इस 1 नवंबर, 2024 को अपनी ग्रैंड रिलीज के लिए तैयार है।

काम पर लौटीं ममिं दीपिका पादुकोण, पति रणवीर सिंह दिखे साथ

मुंबई। दीपिका पादुकोण के फैंस के लिए खुशखबरी! हाल ही में मां बनीं दीपिका काम पर लौट आई हैं। मंगलवार को दीपिका पादुकोण के पति और इंडस्ट्री के 'सिम्बा' रणवीर सिंह ने अपने नए विज्ञापन का एक वीडियो शेयर किया। दोनों साथ में हैं। शेयर किए गए पोस्ट पर देखते ही देखते फैंस ने कमेंट्स की बरसात कर 'पीकू' एक्ट्रेस पर जमकर प्यार लुटाया। शेयर किए गए पोस्ट पर एक फैन ने लिखा 'सबसे शानदार जोड़ी'। एक अन्य ने 'यह बहुत प्यारा है'। यही नहीं कई प्रशंसकों ने जोड़े से अपनी नवजात बच्ची का नाम बताने का भी अनुरोध किया। एक यूजर ने कहा 'अरे रणवीर, आपकी बच्ची का नाम क्या है? हम फैंस बेबी के नाम की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच बता दें कि साल 2018 में रणवीर और दीपिका ने एक दूजे का हाथ थामा था। 8 सितंबर को उनकी बेटी का जन्म हुआ। हाल ही में 'चेन्नई एक्सप्रेस' एक्ट्रेस ने नींद की कमी का जिक्र किया था। कहा था कि वो ठीक से सो नहीं पा रहीं। अपनी 'लाइव लव अफिं लेक्चर' सीरीज के दौरान

दीपिका ने बताया कि कैसे लगातार नींद की कमी और बर्न आउट ने उन्हें प्रभावित किया है, यहां तक कि उनके निर्णय लेने की क्षमता को भी प्रभावित किया है। पठान एक्ट्रेस ने कहा था 'जब आप नींद से वंचित होते हैं या बर्न आउट होते हैं तो आप जो निर्णय लेते हैं वह प्रभावित होते हैं और मुझे लगता है कि कभी–कभी मैं वास्तव में इसे महसूस कर सकती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे पता है कि कुछ खास दिनों में जब मैं तनाव महसूस करती हूं या बर्न आउट होती हूं क्योंकि मैंने पर्याप्त नींद नहीं ली है या सेल्फ–केयर को नजरअंदाज किया है.. . तो मैं बता सकती हूं कि मेरी निर्णय लेने की क्षमता कुछ हद तक प्रभावित हो रही है।' दीपिका पादुकोण मां की जिम्मेदारी निभाते हुए सिल्वर स्क्रीन पर भी छाने को तैयार हैं। वो रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार के साथ दिखाई देंगी। दीपिका फिल्म में शक्ति शेट्टी उर्फ लेडी सिंघम का किरदार निभाती नजर आएंगी।

पराली को जलाएं नहीं, करें इसका बेहतर उपयोगः सीडीओ का किसानों से आग्रह

कंपोस्ट खाद बनाएं, पैदावार के साथ उर्वरा शक्ति में होगा इजाफा

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सीडीओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में ''किसान दिवस'' का आयोजन कलेक्ट्रेट में किया गया। इस अवसर पर किसानों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। सीडीओ ने सभी किसानों को पराली जलाने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि इससे न केवल जमीन की उर्वरा शक्ति घटती है, बल्कि पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सीडीओ ने कहा, ''सरकार किसानों के हितों को संरक्षित करने के लिए संकल्पित है। पराली जलाने की घटनाओं को लेकर शासन गंभीर है और जानकारी के अभाव में किसान ऐसा करते हैं। हमें इसे जलाने के बजाय कंपोस्ट खाद बनाने में उपयोग करना चाहिए। इससे न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि किसानों की आय भी बढ़ेगी।''

उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे मल्चर, रोटावेटर और रिवर्सेबल प्लाऊ का प्रयोग करने की सलाह दी। इस प्रकार, फसल अवशेषों का सही प्रबंधन करके किसान अपनी आय में इजाफा कर सकते हैं और साथ ही पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकते हैं। उप निदेशक (कृषि) अरविंद मोहन मिश्र ने भी किसानों को फसल अवशेष जलाने के नुकसान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि जिले के

सभी बीज भंडारों पर दलहनी और तिलहनी फसलों के अनुदानित बीज उपलब्ध हैं। बैठक में कृषि अधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने सवालों के जवाब भी पाए। 'आगे की राहः' सीडीओ ने कहा कि अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का समाधान समय पर करना होगा। किसान दिवस ऐसे संवाद का एक बेहतर मंच है, जो किसानों की समस्याओं को हल करने में मदद करता है।

शारदानगर दशहरा मेला भोजपुरी कार्यक्रम के साथ समापन

अमित अवस्थी

शारदानगर लखीमपुर–खीरी (संज्ञान दृष्टि)। कस्बे में पिछले एक सप्ताह से चल रहे दशहरा मेला का मंगलवार रात्रि को भोजपुरी कार्यक्रम के साथ समापन हो गया। रामपाल निषाद एंड पार्टी लखनऊ के द्वारा मंगलवार की रात भोजपुरी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन थानाअध्यक्ष शारदानगर बृजेंद्र कुमार मौर्य ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत रामपाल ने गणेश वंदना से की उसके बाद प्रतापगढ़ की गायिका प्रिया ने निमिया के डार मैया गीत गाकर समा बांध दिया और लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। साथ ही लखनऊ की डांसर तनु, राधा और अंजलि के डांस का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। भोजपुरी कार्यक्रम का संचालन लखनऊ के जहीर अब्बास ने किया। मेला कमेटी के प्रबंधक संजय तिवारी ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से

चल रहे मेले का भोजपुरी कार्यक्रम के साथ समापन हो गया है उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए अपनी टीम और क्षेत्र वासियों का आभार प्रकट किया।

मेला कमेटी द्वारा भोजपुरी कार्यक्रम मे आमंत्रित सभी कलाकारों का माल्यार्पण कर शाल उढाकर उनका सम्मान किया गया। इस मौके पर मेला कमेटी के अध्यक्ष प्रशांत त्रिपाठी, प्रबंधक संजय तिवारी। संरक्षक नैमिष यादव, आयोजक सोनू निषाद, महामंत्री संजीव मिश्रा, कोषाध्यक्ष शशांक द्विवेदी, महामंत्री संतोष अवस्थी, उपाध्यक्ष अच्छेलाल, संयोजक नमन अग्रवाल, मनू द्विवेदी, अनीश ठेकेदार, एसके, अमित धुरिया, राहुल मिश्रा, अमित सोनी ,सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

'बिजली के चपेट आने से 45 वर्षीय महिला की मौत।'परिजनों का रो रो बुरा हाल

अंकित राज

शेरघाटी (संज्ञान दृष्टि)। आमस थाना क्षेत्र के ढिबरा गाँव के बधार मे बिजली की चपेट में आने से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। जिसकी पहचान ढिबरा गांव निवासी बिजेंद्र यादव की पत्नी सुनैना देवी के रूप में किया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला घास काटने के लिए गांव के बधार में गई थी ।बिजली की तार टूट कर खेत में गिरा हुआ था और उसमें करंट प्रवाहीत हो रही थी। घास काटने गई महिला अचानक बिजली की चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई।

आनन फानन में ग्रामीणों के द्वारा आमस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सा कर्मियों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर आमस थानाध्यक्ष शैलेश कुमार ने अपने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया के बाद उनके परिजनों को समझा बूझाकर शव को कब्जे में लेकर बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए गया मगध मेडिकल भेज दिया है।

''बाबा'' की तरफ से याचिका वापस लेने की दी गई अर्जी

गौरव यादव

लखनऊ (संज्ञान दृष्टि)। 2022 में मिल्कीपुर से विधायक चुने गए सपा नेता अवधेश प्रसाद के खिलाफ दाखिल की गई याचिका को हाइकोर्ट पहुंचकर इरच नेता गोरखनाथ के वकील रुद्र विक्रम सिंह ने डाली वापस लेने की अर्जी।

यह जानकारी पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने दी। मालूम हो कि इसी याचिका के लंबित होने के कारण मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव की घोषणा चुनाव आयोग ने अभी नहीं की है।

जालसाज को बैंक खाते देने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा यूएनएस। डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह के जालसाज के बैंक खाते मुहैया कराने वाले आरोपी को साइबर क्राइम थाने की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कानपुर के रहने वाले 44 साल के दिलीप कुमार के रूप में हुई है। बीते दिनों एक व्यक्ति के साथ हुई ठगी में दिलीप के बैंक खातों का इस्तेमाल हुआ था। जब वह किसी काम से नोएडा आया था। तभी मुखबिर से मिली सूचना पर उसे दबोच लिया गया। गिरफ्त में आए आरोपी के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। एडिशनल डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि बीते 11 जून को एक व्यक्ति ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी थी कि मुंबई एनसीबी का अधिकारी बताकर एक व्यक्ति ने उसके मोबाइल पर कलिं की और विदेश भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य सामान होने की जानकारी दी। कथित अधिकारियों ने शिकायतकर्ता को मनी लॉड्रिंग केस में जेल जाने का डर भी दिखाया था। ठगों ने पीड़ित को स्काइप कलिं के जरिए डिजिटल अरेस्ट किया। इसके बाद जांच के नाम पर कई बार में 20 लाख रुपये ट्रॉंसफर करा लिए।

ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में एएनएम ने घेरा सीएमओ कार्यालय

लखीमपुर खीरी। ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में जिले भर के उप स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात एएनएम ने मंगलवार को सीएमओ कार्यालय परिसर में विरोध–प्रदर्शन किया। एएनएम दो घंटे से अधिक समय तक कार्यालय में डटी रहीं। ब्लॉकवार और जिला स्तर से सामूहिक ज्ञापन देकर ऑनलाइन हाजिरी में आने वाली दिक्कतें बताईं। जिले के सभी ब्लॉक में तैनात 200 से अधिक एएनएम दोपहर करीब 12 बजे सीएमओ कार्यालय पहुंचीं। परिवार कल्याण महानिदेशक की ओर से जारी ऑनलाइन हाजिरी का विरोध जताया। बताया कि उनके पास टीकाकरण, मातृत्व बैठक, प्रसव कराना, यू–विन फीडिंग, आरसीएच फीडिंग आदि कई कार्य हैं।

उपकेंद्र भी 10 से 15 किलोमीटर दूर हैं। इतने कार्यों के बीच ऑनलाइन हाजिरी का आदेश जारी कर परेशान किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन के बाद एएनएम ने सीएमओ को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में ऑनलाइन हाजिरी की समस्या का समाधान कराए जाने की मांग की।

59 एएनएम ने सीएचसी अधीक्षक को दिया ज्ञापन–फरधान। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरधान के 46 स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर तैनात 59 एएनएम ने आन लाइन हाजिरी का विरोध किया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित बाजपेई को ज्ञापन सौंपा। एएनएम रूचि वर्मा, निधि वर्मा, प्रियंका सिंह, प्रियंका वर्मा, सीमा वर्मा, रेनू वर्मा, आरती सिंह आदि ने बताया कि हम लोगों को अल्प मानदेय सिर्फ 15,000 रुपये मिलता है। टीकाकरण करने के लिए 25 से 30 किलोमीटर यात्रा भी करनी पड़ती है। टीकाकरण केंद्र पर पहुंचने के लिए दो–दो भारी बैग दे दिए जाते हैं। उपकेंद्रों से गांव के दूरी 10 से 15 किलोमीटर है। इससे वहां जाकर टीकाकरण करें और ऑनलाइन हाजिरी के लिए उपकेंद्र के सुबह शाम दो बार चक्कर लगाने से दोहरी समस्या खड़ी हो जाएगी। ज्ञापन में सभी एएनएम ने बुधवार से पूरी तरह से हड़ताल पर जाने की बात कही है।

एक नज़र

बुलन्दशहर– केरल गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान पहुंचे बुलंदशहर, जम्मू कश्मीर में डर का माहौल खत्म हुआ–केरल गवर्नर, सरकार बनने से बाहरी दखल खत्म होगा– केरल गवर्नर, बहराइच की घटना पर बोले आरिफ मोहम्मद खान, लॉ एंड ऑर्डर को लेकर कुछ प्रॉब्लम आती है केरल गवर्नर, सरकार निपटने के लिए सक्षम है गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान, 'समय से पहले ही भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेग'।

बांदा– मरौली मौरंग खदान संख्या एक में बड़ा खेल, प्रतिबंधित हैवीवेट पोकलैंड मशीनें लगाकर अवैध खनन, प्रशांत गुप्ता और अचल शर्मा के आगे अधिकारी लाचार, सूचना के बाद भी खनन विभाग आंखे बंदकर बैठा, खनन अधिकारी अर्जुन कुमार की भूमिका पर सवाल, प्रतिकूल प्रविष्टि के बाद भी अर्जुन कुमार में सुधार नहीं, अवैध खनन, ओवरलोडिंग पर मिली थी प्रतिकूल प्रविष्टि, खदानों में सतर्क निगरानी,पर्यवेक्षण की कमी पाई गई थी, छळ्ज की गाइडलाइन को नहीं मानते प्रशांत गुप्ता, अचल।

वाराणसी– श्यामवर्ण भगवान हनुमान के दर्शन में अव्यवस्था, अव्यवस्था की वजह से श्रद्धालुओं में भगदड़ जैसा माहौल, रामनगर दुर्ग में मौजूद श्यामवर्ण भगवान हनुमान का मंदिर, साल में एक बार श्रद्धालुओं के लिए खोला जाता है मंदिर, वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र का मामला।

मिर्जापुर– मिल के खिलाफ धरने पर बैठा किसान, धान बेचने पर भुगतान न होने से किसान परेशान, क्षुब्ध किसान गले में फंदा लगा कर बैठा, 2 लाख बकाए को लेकर फंदा लगा कर बैठा किसान, थाने में सुनवाई न होने पर डीएम कार्यालय के पास बैठा, अन्नपूर्णा राइस मिल के खिलाफ किसान ने दिया धरना।

मेरठ– कृषि विश्वविद्यालय में किसान मेले का शुभारंभ, यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया उद्घाटन, राज्य सरकार के मंत्री बलदेव औलख रहे मौजूद, कृषि विश्वविद्यालय में 3 दिन तक चलेगा किसान मेला।

बुलंदशहर– त्योहार से पहले अलर्ट मोड पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम, तेल प्लांट की जांच करने पहुंची टीम को मिला गंदगी का अंबार, तेल की गुणवत्ता पर भी संदेह, सरसों के तेल से भरे टैंक सील, रिफाइंड, सरसों के तेल के नमूने लेकर जांच के लिए भेजा गया, टीम को दूसरे गोदाम से 300 लीटर घी, 35 किलो पनीर मिला, जांच पड़ताल कर टीम ने जमा किए नमूने जांच को भेजे, मिलावट खोरों पर नकेल कसने के लिए चलाया विशेष अभियान, खुर्जा क्षेत्र के सिटी स्टेशन रोड स्थित 2 स्थानों पर की कार्रवाई।

यदि आप संज्ञान दृष्टि पर कोई विज्ञापन देना चाहते है या किसी अन्य प्रकार के व्यावसायिक अनुबंध के इच्छुक है तो हमे sangyandristinewspaper@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं। व्हाटसएप नम्बर +91–7080049049

व्हाट्सएप पर सम्पर्क के लिए
70800–49049
95824–49049
Website : www.sangyannews.com
sangyandrsitinewspaper@gmail.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक प्रांजल श्रीवास्तव द्वारा मंजुला आफसेट, काशीनगर, लखीमपुर–खीरी से मुद्रित तथा 132/2 काशीनगर चोपड़ा इंडस्ट्री लखीमपुर–खीरी, उ0प्र0 से प्रकाशित

सम्पादक– प्रांजल श्रीवास्तव

(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

दुबई में आयोजित ''इंटरनेशनल एक्सिलेंसी अवार्ड 2024''

स्पर्श सिन्हा

दुबई (संज्ञान दृष्टि)। दुबई, यू.ए.ई: जेनेसिस अल्टिमा और माहेज फाउंडेशन, साथ ही भारतीय सिनेमा कला परिषद द्वारा ''इंटरनेशनल एक्सिलेंसी अवार्ड 2024'' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यटन, व्यवसाय और कला के क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एकजुट करने का एक प्रयास था। मुख्य अतिथि के रूप में रमेश जुगलान ने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने बू अब्दुल्ला समूह के अध्यक्ष डॉ. बु अब्दुल्ला के साथ मिलकर विभिन्न देशों से आए गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी रहना चाहिए, ताकि पर्यटन, व्यवसाय और कला से जुड़े लोगों के बीच विचार–विमर्श और सहयोग बढ़ सके। कार्यक्रम में शेख खलीफा बिन जायद स्ट्रीट, ओप्प. बुर्जुमन सेंटर, बुर दुबई में विश्व गुरु श्री शिवशक्ति बाबा कालिदास की भी उपस्थिति रही। रमेश जुगलान ने सभी सम्मानित व्यक्तियों और आयोजकों को बाबा कालिदास धाम, सांपला, हरियाणा (भारत) से आशीर्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया। रमेश जुगलान ने ''इंटरनेशनल एक्सिलेंसी अवार्ड 2024'' के सफल आयोजन पर आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत संगठनों और कलाकारों की प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें एक मंच प्रदान करने का यह प्रयास महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग मिले, तो छिपे हुए कलाकारों की प्रतिभा को उजागर करने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर कई अन्य सम्मानित अतिथियों ने भी भाग लिया, जिनमें डॉ. मोहम्मद इब्राहिम अल हज (अध्यक्ष, अल हज समूह, दुबई), फिल्म नायिका और सामाजिक कार्यकर्ता जारा खान, मेरी इब्राहिम (दुबई), सुबोध दलाल (उपाध्यक्ष, एम.एस.एम.ई पी.सी.आई, भारत), रमेश जुगलान (फिल्म निर्माता एवं अध्यक्ष, भारतीय सिनेमा कला परिषद), गिरीश गोड़ा (मुख्य संपादक, चित्रसानते सैंडलवुड मैगजीन, बेंगलोर) और डॉ. मीर अनवर मोहिउद्दीन (आई.आर.एस, डिप्टी कमिश्नर कस्टम, भारत सरकार) शामिल थे। सभी ने अपने सुझाव रखे और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

परिवहन मंत्री ने अमर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

गौरव यादव

लखनऊ (संज्ञान दृष्टि)। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद देवरिया के प्रभारी मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने भारतीय सेना के जांबाज नायक कैप्टन–अंशुमान–सिंह के प्रथम पुण्य तिथि पर आज लखनऊ स्थित बुद्धेश्वर चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि मेरे प्रभार के जनपद देवरिया के ऐसे लाल अमर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की जयंती पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होना मेरे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि शहीद अंशुमान विगत वर्ष 19 जुलाई 2023 को सियाचिन में अपने सहयोगियों को बचाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। जब तक ऐसे बीर सपूत हमारे देश में पैदा होते रहेंगे तब तक हमारे देश की तरफ आँख उठाने की साहस कोई भी दुश्मन देश नहीं कर सकता। मैं ऐसे बीर सपूत के माता–पिता को दिल से नमन करता हूँ।

जनपद आगमन पर मंत्री का ग्राम पंचायत अधिकारी संघ ने किया भव्य स्वागत

शशिभूषण दुबे

उसका बाजार सिद्धार्थ नगर (संज्ञान दृष्टि)। कैबिनेट मंत्री पंचायती राज श्री ओम प्रकाश राजभर के जनपद सिद्धार्थनगर आगमन पर ग्राम पंचायत अधिकारी संघ सिद्धार्थनगर ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। ग्राम पंचायत अधिकारी संगठन के तत्वावधान में शत प्रतिशत सचिवों द्वारा मंत्री जी का माल्यार्पण करते हुए महात्मा बुद्ध की प्रतिमा देकर स्वागत किया गया। प्रदेश संगठन के मार्ग दर्शन में जनपद अध्यक्ष आशुतोष यादव एवं मंत्री अभिनव ओझा ने के कर्मचारी हित अपनी चार सूत्री मांगों को भी सौंपा जिसमें ग्राम पंचायत अधिकारी की शिक्षा योग्यता इंटरमीडिएट से बढ़कर स्नातक किए जाने

वर्तमान ग्रेड पे को बढ़ाकर 2800 किए जाने–सरकार द्वारा अनुमानित साइकिल भत्ते को हटाकर उचित वाहन भत्ता दिलाए जाने हेतु, साथ ही जिन कर्मचारियों की पदोन्नति नहीं लेने के कारण एसीपी रोकी गई है उसे तत्काल बहाल करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया जिस पर मंत्री जी ने उचित कार्यवाही का आश्वासन संगठन के पदाधिकारी को दिया। मंत्री जी ने संगठन के पदाधिकारी से अपील किया कि विभाग की प्रत्येक योजना को ग्राम पंचायत के हर व्यक्ति तक सहज रूप से पहुंचने की जिम्मेदारी आप लोगों की है इसमें आप लोग मेरा सहयोग करें और आपकी जो भी समस्याएं हैं उसे दूर करने का मैं हर संभव प्रयास करूंगा

इस अवसर पर महे–श्वर पांडे, हरिशंकर सिंह, प्रियंका गोस्वामी, रविकांत यादव, शकील अहमद, मिथिलेश, अनुपमपांडे, विनीत सिंह, अमित तिवारी, कुंवर कनौजिया, अखिलेश यादव, प्रदीप सिंह,राजेश चौधरी, मोहम्मद मुस्तफा, भानु सिंह, कृष्णकांत शुक्ला, हरिराम चौधरी, विवेक कुशवाहा, दिलीप पटेल, अवधेश यादव, कलिंमुजफ्फर जफर , विमलकांत, राकेश पाठक, संजय, सचिंद्र नाथ पाठक, समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेटिकट यात्री मिलने पर परिचालकों को नोटिस

घनश्याम गुप्ता

रायबरेली (संज्ञान न्यूज)। परिवहन निगम में काम कर रहे परिचालक मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं! निगम को लंबे समय से चूना लगा रहे हैं! टीमों ने सुल्तानपुर ,गोरखपुर, कौशांबी, अयोध्या ,लखनऊ आदि शहरों से आ रही रायबरेली डिपो की 15 बसों को चेक किया तो उसमें 17 लोग बेटीकट यात्री मिले! और जो भी पैसा वसूला जाता है वह उनकी जेब में जाता है जिससे कि परिवहन निगम को काफी नुकसान हो रहा है!

यातायात निरीक्षकों की रिपोर्ट के बाद सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने संबंधित परिचालकों पुष्पेंद्र, दयासागर, सतीश, विनोद कुमार, विष्णु चौरसिया ओमप्रकाश, अनिल कुमार, आलोक, सत्येंद्र कुमार समेत 15 परीचालकों को नोटिस देकर जवाब मांगा! सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी

कर्तव्य बोध के लिए महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हुए गुरुकुल एकेडमी पलिया के विद्यार्थी

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर (संज्ञान दृष्टि)। गुरुकुल ऐकेडमी, पलिया कलां (खीरी) में आज

प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में बच्चों को कर्तव्यों का बोध कराने हेतु उन्हें विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया। आज स्कूल कैबिनेट का निर्धारण करते हुए समीर सिंह व विदुषी शुक्ला को स्कूल कैप्टन के पद पर नियुक्त किया गया। स्पोर्ट्स कैप्टन के लिए कपिल सिंह व अमीषा वर्मा, हॉस्टल कैप्टन के लिए अभय भदौरिया व सुमनदीप कौर, आजाद हाउस कैप्टन सूर्याश वर्मा व मनमीत कौर, सुभाष हाउस कैप्टन गुरताज सिंह व नैना देवल, टैगोर हाउस कैप्टन रूपेन्द्र सिंह व राजनंदिनी, भगत हाउस कैप्टन अभय सिंह व मान्या शुक्ला, डिसिप्लिन मार्शल हर्षित मधेशिया व सलोनी मिश्रा को नियुक्त किया गया। नेशनल कैडेट कोर (एन० सी०सी०) 2024 के बैंक होल्डर्स में राजनंदिनी को लान्स कॉरपोरल, अयान खान को कॉर्पोरल, खुशी अवस्थी सर्जेण्ट, काजल को अण्डर ऑफिसर तथा को अभय गंगवार को सीनियर अण्डर ऑफिसर के पद पर नियुक्त किया गया। विद्यालय प्रबंधक मुकेश अग्रवाल व अध्यक्ष वीरेन्द्र शुक्ला ने सभी पदासीन विद्यार्थियों को बधाई दी तथा शुभाशीष दिया तथा आशा व्यक्त की कि वे अपने पदों की गरिमा को बनाए रखेंगे। सभी पदाधिकारी छात्रों ने अपने कर्तव्यों का गरिमामयी तरीके से निर्वहन करने की शपथ ली।

निजाम अख्तर बने उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद पाठ्यकर्म समिति के सदस्य

विशाल अग्रवाल

उधम सिंह नगर/केलाखेड़ा (संज्ञान दृष्टि)। आज केलाखेड़ा निजाम अख्तर को उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद पाठ्यकर्म समिति का सदस्य घोषित होने पर निजाम अख्तर को अजय कालड़ा के प्रतिष्ठान पर सम्मानित किया गया। अख्तर ने कहा की हमारी समिति का सर्वप्रथम कार्य सभी मदरसों मे नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च ऐंड ट्रेनिंग (छब्म्त्ज) पाठ्यक्रम को लागु करना एवं मदरसों की शिक्षा व्यबस्था को आधुनिक बनाना हैं। इस मौके पर निजाम अख्तर, मो उस्मान अल्वी,डी. एल. शर्मा,असीम छाबडा, अजय कालरा, बबलू मेहर, शिवम् गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, सौरभ कालरा आदि लोग उपस्थित रहे।

शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल का मगध आयुक्त पदाधिकारी किया औचक। जांच के दौरान तीन डॉक्टर मिले अनुपस्थित

स्वास्थ्य प्रभारी को लगाया फटकार एक महीने के अंदर विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने का दिया आदेश

रंजीत कुमार

शेरघाटी (संज्ञान दृष्टि)। अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण मगध आयुक्त प्रेम सिंह विणा ने बुधवार को किया ,जिसके दौरान तीन डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए। उन्होंने ने अपने टीम के साथ डॉक्टर चौंबर से लेकर अस्पताल के कोने–कोने तक स्थलीय निरीक्षण किया। अस्पताल के विधि व्यवस्था को लेकर चिकित्सा प्रभारी को फटकार लगाया गया और कई अहम दिशा निर्देश दिए गए हैं।

अस्पताल में निरीक्षण के दौरान साफ सफाई, एक्स–रे रूम,ओटी रूम, जांच घर, प्रशव कक्ष, अल्ट्रासाउंड, दवा घर, ट्रामा सेंटर एवं जेनरल वार्ड का बारीकी से जाच किया गया। उन्होंने चिकित्सा प्रभारी डॉ.उदय कुमार को निर्देश देते हुए कहा कि 1 महीने के अंदर अस्पताल के विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त किया जाए। अन्यथा कार्रवाई किया जाएगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान प्रेम

सिंह विणा ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण किया गया है जिसमें कई कमियां पाई गई है। अस्पताल में विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के लिए चिकित्सा प्रभारी को निर्देश दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि चिकित्सा कर्मियों का ड्यूटी रोस्टर बनाकर अस्पताल के दीवार में फ्रेम किया जाए ताकि इसे मरीज और आम लोगों को पता चल सके कि किसी डॉक्टर या कर्मी का ड्यूटी है। उन्होंने आगे कहा कि जिला के वरीय पदाधिकारी आकर इसकी जांच करेंगे और विधि व्यवस्था के कमियों को पूरा करेंगे।

जांच के दौरान शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी सारा अशरफ,चिकित्सा पदाधिकारी उदय कुमार इत्यादि लोग उपस्थित थे।

आखिर क्यों टला मिल्कीपुर का उपचुनाव देखें खास रिपोर्ट

हाई कोर्ट में लंबित दो याचिकाओं की वापसी के बाद खुल सकता है उपचुनाव का रास्ता

संतोष मौर्य

अमानीगंज (संज्ञान दृष्टि)। उच्च न्यायालय में केस विचाराधीन होने के चलते मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा मिल्कीपुर में उप चुनाव की तिथि नहीं घोषित की गई। सभी राजनैतिक दल महीनों से उपचुनाव की तैयारी में लगे हुए थे। लेकिन अचानक उपचुनाव की घोषणा न होने के कारण उन्हें निराश होना पड़ा है। ज्ञात हो कि 2022 के आम चुनाव में नतीजे 10 मार्च को आए थे। तत्कालीन समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने अपने प्रतिद्वंदी गोरखनाथ बाबा को लगभग 12600 मतों से पराजित किया था।

गोरखनाथ बाबा ने चुनाव आयोग से निर्वाचित विधायक अवधेश प्रसाद के नामांकन पत्र के साथ दाखिल हलफनामे की कॉपी ली थी, जिसमें पाया गया कि जिस अधिवक्ता द्वारा शपथ पत्र पर नोटरी की गई है उस अधिवक्ता के लाइसेंस की वैधता 2011 में ही समाप्त हो गई थी जिसका नवीनीकरण नहीं कराया गया था। इसके बाद विधायक गोरखनाथ बाबा ने 21 अप्रैल 2022 को उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को रद्द कर उन्हें विधायक घोषित करने की मांग की। याचिका की पहली सुनवाई 25 अप्रैल 2022 को हुई और न्यायालय ने याचिका की सुनवाई करते हुए अवधेश प्रसाद और चुनाव आयोग को मामले में नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

इसके बाद से अब तक मुकदमे में तारीख ही पड़ती रही और कोई नतीजा नहीं आया। इसी बीच अवधेश प्रसाद समाजवादी पार्टी के टिकट पर फैजाबाद से सांसद निर्वाचित हो गए और उन्होंने मिल्कीपुर सीट से अपना त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद से लगातार सभी राजनीतिक दल उपचुनाव की तैयारी में लगे हुए थे। मंगलवार को जब 10 उपचुनाव की सीटों के बजाय निर्वाचन आयोग ने 9 सीटों के चुनाव की ही घोषणा की तो सभी लोग आश्चर्य में पड़ गए। बाद में चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि केस विचारथीन होने के कारण चुनाव की घोषणा नहीं की गई है।

इसके पूर्व मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के डफलपुर गांव निवासी शिव मूर्ति ने उच्च न्यायालय में इसी संदर्भ में रिट याचिका दाखिल की थी उक्त रिट याचिका में भी प्रतिवादी पक्ष को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। अब मिल्कीपुर विधानसभा में उपचुनाव की घोषणा न होने पर सभी राजनीतिक दलों की निगाहें उच्च न्यायालय में विचाराधीन केस की तरफ टिक गई हैं। लंबित केसों की वापसी के बाद ही उपचुनाव का रास्ता साफ हो सकता है।